अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 100

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1. अ) सही विकल्प चुनें :- (1X10=10)

1. नाट्यशास्त्र के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राएँ कितनी है?
(1) 20 (2) 24 (3) 30

2. तीनताल की 3/4 लय में, एक विभाग में कितनी मात्राएँ होगी?
(1) सात (2) तीन (3) पाँच

3. नाट्यशास्त्र अनुसार आकाशिकीय चारी कितने प्रकार की है?
(1) आठ (2) बारह (3) सोलह

4. 'विलोकित' यह किस प्रत्यंग का भेद है?
(1) दृष्टीभेद (2) ग्रीवाभेद (3) शिरोभेद

5. खंडजाति में एक मात्रा में कितने भाग हैं?
(1) पाँच (2) सात (3) नौ

6. कुंचित भ्रमरी किसे कहते है?
(1) कूदकर घूमना (2) एक पैर पर घूमना (3) घुटना झुकाकर घूमना

7. पं. बिरजू महाराज किस घराने के नृत्यकार है?
(1) लखनऊ (2) जयपूर (3) बनारस

8. ब्रम्हाजी ने पंचमवेद का निर्माण कर किसे सौंपा?
(1) भरतमुनि (2) शिव (3) तण्डु

9. अभिनव दर्पण में कितने प्रकार की भ्रमरी का वर्णन है?
(1) सात (2) आठ (3) सोलह

10. वेद कितने हैं?
(1) तीन (2) चार (3) पाँच

ब) **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये।** **(10)**

1. चतस्त्र तथा खंडजाति के संयोग से ---------- जाति बनती है।
2. नाट्यशास्त्र के अनुसार भौमी चारी के ---------- प्रकार है।
3. उपनिषद ---------- साहित्य के अंतर्गत आते हैं।
4. नृत्त शब्द का मूल धातु ---------- है।
5. नाट्यशास्त्र में ---------- प्रकार की दर्शनविधि का वर्णन है।
6. लक्ष्मी ताल में ---------- मात्राएँ होती है।
7. जाति के ---------- प्रकार है।
8. प्राचीन अवशेषों व्दारा संस्कृति के अन्वेषण के साहित्य को ---------- कहते है।
9. आड की लय को ---------- भी कहते है।
10. नाट्यशास्त्र अनुसार शिरोभेद ---------- प्रकार के है।

प्र. 2. अ) निम्न कथन को सही या गलत बताएँ। **(10)**

1. जाति के सात प्रकार है।
2. वैदिक साहित्य में नृत्य के संदर्भ नहीं है।
3. रुपक ताल की आधी लय दो आवर्तन में पूर्ण होगी।
4. तिश्र जाति में एक मात्रा में छः भाग होते हैं।
5. नाट्यशास्त्र अनुसार आठ प्रकार के दृष्टीभेद है।
6. कलाकार के कला की समीक्षा उसके प्रस्तुतीकरण के आधार पर होती है।
7. 'नाट्यशास्त्र' यह ग्रंथ आचार्य नंदिकेश्वर व्दारा लिखा गया है।
8. धमार ताल में पाँच विभाग है।
9. प्राचीन ग्रंथों में श्रृंगार के सोलह प्रकार बताएँ है।
10. बसंत ताल में 11 मात्राएँ होती है।

ब) **जोडियाँ बनाईये।** **(10)**

अ	ब
1. जयपूर घराना	1. सवाई लय
2. मिश्र	2. प्रकाश सज्जा

3. अभिनयदर्पण	3. शिरोभेद
4. एक में पाँच की लय	4. राजेंद्र गंगाणी
5. साची	5. ग्रीवा भेद
6. आधुनिक तकनीक	6. गीत
7. वलिता	7. जाति
8. विधुत	8. बनारस घराना
9. सामवेद	9. दृष्टीभेद
10. गोपीकृष्ण	10. नंदिकेश्वर

प्र. 3 झपताल के ठेके को और 1 लय में लिपीबध्द कीजिये। (20)

प्र. 4 नृत्य शब्द का मूल धातु, उत्पत्ति और विकास का वर्णन कीजिये। (20)

प्र. 5 रुपक ताल में एक कवित (20)

तथा } लिपीबध्द कीजिये

बसंत ताल में एक चक्रदार तिहाई

6) वैदिक साहित्य में नृत्य के संदर्भों का वर्णन कीजिये। (20)

7) 'जाति' का विस्तृत कर, तीनताल में खंड जाति में तिहाई और तिश्रजाति में परण लिपीबद्ध कीजिये। (20)

8) आपने देखी हुअी किसी भी एक कलाकार के नृत्य प्रस्तुति की समीक्षा लिखिये। (20)

9) 'कथक नृत्य की प्रस्तुती में आधुनिक तकनीक का प्रभाव'– इस विषय में अपना मंतव्य लिखिये। (20)

प्र. 10 पुरातत्व में नृत्य के संदर्भों का विवेचन कीजिये। (20)